मुख्यमंत्री ने किया एस.एम.एस हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण

ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से जानकारी ली। साथ ही रोगियों व उनके परिजनों से बातचीत कर उनसे मिले फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएसएस अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, ऑर्थो, कार्डियो, न्यूरो सहित अन्य विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है। यहां प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के रोगी भी उपचार के लिए आते हैं, जिसके चलते रोगी भार अधिक रहता है। इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। विगत ढाई वर्ष में एसएमएस में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। इसके लिए चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन साधुवाद के पात्र है। लेकिन जहां भी सुधार की गुंजाइश है, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया।

- मुख्यमंत्री ने रोगियों व परिजनों से बातचीत कर अस्पताल की सेवाओं का फीडबैक भी लिया

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, एसएसएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित चिकित्सक एवं कार्मिक मौजूद रहे।

36 साल से 240 रुपए मासिक पर नौकरी, हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 1990 में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में परिचारक के तौर पर काम कर रहे याचिकाकर्ता को मासिक 240 रुपए का भुगतान करने पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता वर्तमान में काम कर रहा है तो आगामी आदेश तक उसकी सेवा समाप्त नहीं की जाए। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश विजय सिंह गोस्वामी की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 1990 में धौलपुर के राजकीय होम्योपैथी अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में परिचारक के तौर पर नियुक्त हुआ था। तब से उसे मासिक 240 रुपए वेतन के तौर पर भुगतान मिल रहा है। याचिकाकर्ता को काम में बदले इतनी अल्प राशि देना उसका शोषण करने के अतिरिक्त कुछ नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से अपने नियमितिकरण के लिए विभाग के समक्ष कई बार अभ्यावेदन पेश किए, लेकिन उन पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में उसे नियमित करने के साथ ही बकाया भुगतान दिलाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया।

'जयपुर में अवैध मजार-मस्जिदों पर कार्रवाई क्यों नहीं करता प्रशासन?'

सनातन सेना प्रमुख (आरटीआई कार्यकर्ता) अशोक पाठक ने प्रदेश की नौकरशाही पर इस्लामी अतिक्रमण को संरक्षण देने का आरोप लगाया

जयपुर। सनातन सेना के प्रमुख (आरटीआई कार्यकर्ता) अशोक पाठक ने राजधानी जयपुर समेत प्रदेश में तेजी से बढ़ती अवैध मजार-मस्जिदों, बूचड़खानों तथा सड़कों पर नमाज को लेकर आपत्ति जताई है। साथ ही प्रदेश की नौकरशाही पर इस्लामी अतिक्रमण को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

- पाठक ने कहा कि मालवीय नगर में नंदपुरी-कैलाशपुरी में सड़क चौड़ी करने के नाम पर हिंदुओं के 200 मकान तोड़े गए, परंतु बीच रास्ते में खड़ी 5 मंजिला अवैध मस्जिद-मदरसे और मजारों को हाथ भी नहीं लगाया।
- उन्होंने कहा कि महारानी कॉलेज परिसर में अवैध मजारें पिछले एक साल से बनी है, लेकिन कार्रवाई के बजाय लीपापोती हो रही है, जयपुर कलेक्टर ने 6 सदस्यों की कमेटी बनाई, परंतु आज तक कुछ नहीं हुआ।

अशोक पाठक ने कहा कि मालवीय नगर में नंदपुरी-कैलाशपुरी में सड़क चौड़ी करने के नाम पर हिंदुओं के 200 मकान तोड़े गए, परंतु बीच रास्ते में खड़ी 5 मंजिला अवैध मस्जिद-मदरसे और मजारों को हाथ भी नहीं लगाया गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि, क्या नौकरशाहों को अवैध मस्जिद-मदरसे व मजारें नहीं दिखतीं? या फिर यह जानबूझकर किया गया तुष्टिकरण है?

उन्होंने कहा कि इसी तरह महारानी कॉलेज परिसर में अवैध मजारें पिछले एक साल से बनी है, लेकिन कार्रवाई के बजाय लीपापोती हो रही है। जयपुर कलेक्टर ने 6 सदस्यों की कमेटी बनाई, फिर क्या जिहादियों का खौफ इतना है कि शिक्षा के मंदिर में भी मजारें बनने दी जाएंगी? पाठक ने कहा कि, बीजेपी ऑफिस के पास अवैध मजार है, जिससे आम रास्ता बंद है। अगर सत्ताधारी दल के दफ्तर के बगल में यह हाल है तो आम हिंदू की क्या स्थिति होगी? विधानसभा में भी अवैध मजार, नौकरशाही की यह दोगली नीति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि टोंक फाटक पुलिया के पास पहले एक छोटी 6 सी अवैध मजार थी, आज वहां करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर विशाल दरगाह, मजार और अवैध मस्जिद बना दी गई। क्या यह जमीन जिहाद नहीं है? क्या प्रशासन इस अतिक्रमण को नहीं देखता? या फिर वक्फ बोर्ड और मुस्लिम तुष्टिकरण के आगे नौकरशाही घुटने टेक चुकी है? उन्होंने सवाल उठाया है कि, पूरे देश में सड़कों पर नमाज पर प्रतिबंध है, लेकिन राजस्थान में पुलिस-प्रशासन खड़े होकर सड़कों पर नमाज करवा रहा है! यह कैसा धर्मनिरपेक्षता का तमाशा है? पूरे प्रदेश में नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निगमों की अनुमति के बिना अवैध बूचड़खाने चल रहे हैं, इन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही।

सनातन सेना के पदाधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि, छोटीकाशी (जयपुर) में जमीन व जनसंख्या जिहाद तथा नौकरशाही का तुष्टिकरण अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मांग है कि पूर्व की सरकार के समय से मुस्लिम तुष्टिकरण में डूबे नौकरशाहों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए इस मामले में तत्काल ठोस कार्रवाई की जाए। अगर 15 दिनों के भीतर इन सभी मुद्दों पर कार्रवाई नहीं हुई तो सनातन सेना सड़कों पर उतरेगी और तीव्र आंदोलन करेगी।

लापता 12वीं की छात्रा का लहूलुहान शव मिला

जयपुर। करधनी इलाके में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार शाम से लापता 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा का शव शनिवार सुबह अपार्टमेंट के पोर्च की छत पर लहूलुहान हालत में मिला। मृतका 12वीं कक्षा में पढ़ती थी। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों ने बच्ची की किडनैपिंग के बाद हत्या किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है, वहीं पुलिस मर्डर और सुसाइड दोनों एंगल से मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

परिजनों के अनुसार 16 वर्षीय नाबालिग बेटी शुक्रवार शाम करीब साढ़े 7:30 बजे घर से साइकिलिंग करने के लिए निकली थी। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वह वापस नहीं लौटी, तो चिंतित परिजन उसे ढूंढने निकले। रिश्तेदारों और परिचितों के साथ मिलकर आस-पास की कई कॉलोनियों में तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा। लड़की के रहस्यमयी तरीके से गायब होने पर परिजनों ने रात 10:30 बजे थाने में गुमशुदगी दर्ज करायी। परिजन व रिश्तेदार देर रात 2 बजे तक तलाश में भटकते रहे। शनिवार सुबह स्थानीय अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर के पोर्च की छत पर लड़की का लहूलुहान शव पड़ा मिला।

राज्यसभा प्रत्याशी बनने पर सतीश पूनियां के समर्थन-स्वागत में उमड़े हजारों समर्थक

जयपुर। भाजपा राजस्थान से वरिष्ठ नेता और हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आमजन में खुशी की लहर दौड़ गई है। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. पूनिया को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने को कार्यकर्ताओं ने उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा का सम्मान बताया है। उनके नाम की घोषणा के बाद प्रदेशभर से भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाइयां दीं। फोन, सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से लगातार शुभकामनाएं भेजी जा रही हैं। राजस्थान और हरियाणा भाजपा के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चयन का स्वागत किया। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने भी पूनियां के निवास पर पहुंचकर बधाई दी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि डॉ. सतीश पूनिया का राज्यसभा के लिए चयन संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और वर्षों की सक्रिय राजनीतिक भूमिका का परिणाम है। संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन करने वाले पूनिया को भाजपा के प्रमुख रणनीतिक नेताओं में गिना जाता है। वर्ष 2020 में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा था कि उनका विश्वास पद या सत्ता के लिए संघर्ष करने में नहीं, बल्कि संगठन के लिए समर्पित होकर कार्य करने में है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि पार्टी उनके कार्यों का मूल्यांकन कर उचित समय पर सम्मान देगी। राजनीतिक हलकों में उनके राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने को उसी समर्पण और विश्वास का प्रतिफल माना जा रहा है। राज्यसभा प्रत्याशी घोषित होने के बाद भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने डॉ. पूनिया के निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन और समसामयिक राजनीतिक विषयों पर भी चर्चा हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि डॉ. पूनिया का राज्यसभा पहुंचना राजस्थान की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती प्रदान करेगा तथा संगठन को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

राजस्थान और हरियाणा भाजपा के हजारों पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनियां का स्वागत किया।

युवक की संदिग्ध मौत के बाद थाने का घेराव किया

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना के विरोध में लोगों ने ट्रांसपोर्ट नगर थाने का घेराव कर क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे नशे के कारोबार पर रोक लगाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पुलिस के अनुसार दौसा जिले के बनेठा निवासी कुलदीप गुर्जर (28) शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे स्थित सार्वजनिक शौचालय में गया था। काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर शौचालय कर्मियों ने टैक्सी चालकों की मदद से दरवाजा तोड़ा। अंदर युवक अचेत अवस्था में सीट पर बैठा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर शौचालय के भीतर स्मैक और नशे के इंजेक्शन भी पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत नशे के ओवरडोज से होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार-समाचार

यूईएम कैंपस में 100 पेड़-परिण्डे लगाए

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर ने अपने हरे-भरे कैंपस में बड़े उत्साह के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर और फिजिकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. डॉ. बी. एस. यादव की देखरेख में आयोजित पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में फैकल्टी सदस्यों, स्टाफ और छात्रों सहित 100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम नेशनल सर्विस स्कीम, उन्नत भारत अभियान, इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल स्टूडेंट चैप्टर और जयपुर के ग्रीन क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस उत्सव की एक मुख्य विशेषता यूनिवर्सिटी कैंपस के विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान था। छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और स्टाफ सदस्यों ने लगभग 100 पौधे लगाए, जिससे ग्रीन कवर बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के प्रति यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता फिर से जाहिर हुई। इसके साथ ही गर्मियों के मौसम में पक्षियों को के चुग्गा-पानी के लिए 50 परिण्डे लगाए गए। वाइस-चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने कहा कि शैक्षिणक संस्थान पर्यावरणीय जागरूकता और सस्टेनेबल विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रजिस्ट्रार और प्रोवोस्ट प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि यूनिवर्सिटी का हरा-भरा कैंपस सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फ़िज़िकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. डॉ. बी. एस. यादव ने प्रतिभागियों से मिले उत्साहपूर्ण रिस्पॉन्स पर खुशी जताई।

अजय के. शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर। चाणक्य सेना की कार्यसमिति की स्वीकृति के उपरांत जयपुर निवासी अजय के. शर्मा को 8 जून 2026 से संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व, अनुभव और मार्गदर्शन में चाणक्य सेना अपने मिशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। इस अवसर पर संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों में पार्थ भारद्वाज, वर्षिका भारद्वाज, मोनिका शर्मा, रोहित शर्मा, अजय के. शर्मा, अमन भारद्वाज, मुकेश चंद शर्मा एवं सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक प्रमोद शर्मा शामिल रहे। संगठन ने शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

'जेडीए मौका देखे, अवैध निर्माण हटाएं'

जयपुर। जेडीए अपीलीय अधिकरण ने जेडीए प्रशासन को कहा है कि वह विद्याधर नगर स्थित शंकर नगर योजना का मौका देखे और अवैध निर्माण मिलने पर उसे हटाने की कार्रवाई आरंभ करे। इसके साथ ही अधिकरण ने आदेश की कॉपी जेडीए के मुख्य प्रवर्तन अधिकारी को भेजी है। अधिकरण ने यह आदेश रुकमणी देवी माहेश्वरी के रेफरेंस प्रार्थना पत्र पर दिए। मामले से जुडे अधिवक्ता विकास सोमानी ने बताया की विद्याधर नगर की शंकर विहार योजना के भूखंड संख्या 92 पर निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान मौके पर अवैध निर्माण कर लिया गया है और सेटबैक भी नहीं छोडा गया। इसके अलावा भवन निर्माण की स्वीकृति लिए बिना बहुमंजिला निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में अवैध निर्माण को हटाकर उसमे खर्च होने वाली राशि की वसूली निर्माणकर्ता से वसूली जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने जेडीए को मौका देकर अवैध निर्माण मिलने पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

सरकार का इकबाल कायम नहीं : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमराने और प्रशासनिक उदासीनता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इतिहास में यह ऐसी पहली लाचार सरकार है, जिसका ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोई इक़बाल कायम नहीं हो पाया है। जूली ने कहा दिल्ली दरबार द्वारा राज्य पर थोपे गए पीएम मोदी के एक्सपेरिमेंट (प्रयोग) की भारी कीमत आज राजस्थान की जनता, पूजनीय साधु-संत और खुद भाजपा के कार्यकर्ता अपनी जान देकर चुका रहे हैं। जूली ने कहा कि आज प्रदेश में हालात ऐसे हो चुके हैं कि किसी को पता ही नहीं चल रहा कि सरकार कहाँ है और क्या चल रहा है? जब संत की हत्या पर मुख्यमंत्री मौन साधे हुए हो और सरकार के अपने कैबिनेट मंत्री व उपमुख्यमंत्री, अफसरों के आगे बेबस हों, तो यह साफ है कि प्रदेश में व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। आज प्रदेश का हर व्यक्ति पूछ रहा है कि ऐसी पंगु सरकार को कब तक सहेगा राजस्थान ? जूली ने कहा कि बोरखेड़ा, कोटा में चंद्रेसल गांव के सुप्रसिद्ध धार्मिक मठ के महंत देवानंद महाराज की निर्मम हत्या का समाचार अत्यंत दु:खद है। यह केवल एक संत की हत्या नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक आस्थाओं पर हमला है। धार्मिक आस्थाओं के नाम पर राजनीति कर सत्ता में आने वाली भाजपा सरकार के शासन में एक प्रसिद्ध धार्मिक मठ के महंत की दिनदहाड़े हत्या हो जाती है और सरकार एक शब्द तक नहीं बोलती।

दोहरे हत्याकांड में माता-पिता चश्मदीद गवाह साबित नहीं, आरोपी की उम्रकैद रद्द

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 14 साल पहले नाहरगढ़ इलाके में घर में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में माता-पिता को चश्मदीद गवाह साबित नहीं होने और अपराध प्रमाणित नहीं होने पर आरोपी को दोषमुक्त कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी को निचली अदालत की ओर से 15 दिसंबर, 2017 को सुनाई उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश विजय सिंह की आपराधिक अपील पर दिए।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि मृतकों की मां ने बयान में कहा कि जब वह घर पहुंची तो मकान का दरवाजा खुला हुआ था, वहां खून मौजूद था। उस समय और लोग वहां थे और किसी ने भागते आदमी को नहीं पकड़ा, इसलिए उसका चश्मदीद साक्षी ना होकर घटना होने के बाद पहुंचना साबित है।

पिता ने भी गवाही में घर पहुंचने पर बच्चों को पुलिस की ओर से अस्पताल ले जाना कहा है। ऐसे में अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों में न केवल विरोधाभास है, वहीं सभी कडियां भी आपस में मिली हुई नहीं हैं। ऐसे में अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ हत्या का अपराध साबित करने में विफल रहा है।

गौरतलब है कि 14 अगस्त 2012 को परिवादी मंजीत सिंह ने नाहरगढ़ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा था कि दोपहर ढाई बजे घर पर खाना खाने आया था। उसकी पत्नी घर के बाहर कोने में बैठी थी। इस दौरान वे दोनों दरवाजे के अंदर गए तो आरोपी विजय सिंह उसके बेटे के सीने पर चाकू मार रहा था और उसकी बेटी बचाने आई तो उसे भी चाकू मारा। उन्हें देखकर आरोपी वहां से भाग गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने 14 साल पहले नाहरगढ़ क्षेत्र में घर में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में फैसला सुनाया

फर्जी साइबर क्राइम अधिकारी बनकर ई-मित्र संचालकों से रिश्वत मांगी

जयपुर। कालवाड़ क्षेत्र में खुद को साइबर क्राइम शाखा का अधिकारी बताकर दो ई-मित्र संचालकों से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने साइबर अपराधियों की सूची में नाम होने का डर दिखाकर रुपए की मांग की और रकम नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी दी। जांच अधिकारी एएसआई फुलाराम ने बताया कि दौसा जिले के बसवा निवासी राहुल योगी (22) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राहुल, कालवाड़ क्षेत्र में ई-मित्र राजस्थान ग्रामीण कियोस्क संचालित करता है। उसके परिचित राकेश की भी पास में ई-मित्र कियोस्क है। रिपोर्ट के अनुसार 22 मई से प्रवीण नामक व्यक्ति ई-मित्र केंद्र पर आने-जाने लगा था। उसने स्वयं को साइबर क्राइम ब्रांच जयपुर का अधिकारी बताया और विश्वास दिलाने के लिए कथित पुलिस पहचान पत्र भी दिखाया। नियमित रूप से आने-जाने के कारण उसकी दोनों संचालकों से पहचान हो गई। बुधवार शाम करीब 5.30 बजे आरोपी ई-मित्र केंद्र पर पहुंचा और राहुल से राकेश को भी बुलाने के लिए कहा। दोनों के एकत्र होने पर उसने कथित साइबर रिपोर्ट की एक सूची दिखाई और दावा किया कि उसमें दोनों के नाम दर्ज हैं। आरोपी ने कहा कि यदि वे सूची से अपना नाम हटवाना चाहते हैं तो उन्हें रुपए देने होंगे। आरोप है कि आरोपी ने राहुल से 18 हजार रुपए और राकेश से 60 हजार रुपए की मांग की।

साथ ही धमकी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो दोनों को जेल भिजवा दिया जाएगा। शक होने पर दोनों ने जानकारी जुटाई, जिससे पता चला कि आरोपी कथित अधिकारी नहीं है। इसके बाद राहुल और राकेश ने कालवाड़ थाने पहुंचकर शुक्रवार को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने संभाली राजस्थान भाजपा की कमान

मोतीडूंगरी गणेशजी के दर्शनों के बाद पहुंचे पार्टी मुख्यालय, नेताओं व पदाधिकारियों ने किया गर्मजोशी से स्वागत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने शनिवार को औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रदेश भाजपा कार्यालय के कमरा नंबर-6 से अब वे संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करेंगे। यही कमरा पूर्व संगठन महामंत्री चंद्रशेखर का भी कार्यालय रहा है। जयपुर पहुंचने के बाद अजेय कुमार सबसे पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश के दर्शन कर नई जिम्मेदारी की शुरुआत की। इसके बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने पर महिला मोर्चा और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों से उनका स्वागत किया।

कार्यभार संभालने के बाद अजेय कुमार ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता अभियान और आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई।

भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार के पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी और भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने स्वागत-सत्कार किया।

- राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर होगा, जब पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव नए संगठन महामंत्री के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में ये चुनाव वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माने जा रहे हैं।

राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर होगा, जब पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव नए संगठन महामंत्री के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में ये चुनाव वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माने जा रहे हैं। ऐसे में स्थानीय चुनावों के परिणाम प्रदेश में भाजपा सरकार और संगठन के प्रति जनता के विश्वास का भी महत्वपूर्ण संकेत देंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार अपने कार्यकाल के ढाई वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ने रही है। ऐसे में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना अजेय कुमार की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल माना जा रहा है।

भाजपा का मानना है कि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाना जरूरी है। अजेय कुमार को भाजपा में बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता संवाद और चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट का विशेषज्ञ माना जाता है। उत्तराखंड में संगठन को मजबूत बनाने और चुनावी सफलता दिलाने में उनकी भूमिका को काफी अहम माना गया था। राजस्थान में भी उनसे संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपेक्षा की जा रही है। राजस्थान की राजनीति में लंबे समय से हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड रहा है। भाजपा इस परंपरा को तोड़ते हुए वर्ष 2028 में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसी रणनीति के तहत पंचायत और निकाय चुनावों को संगठनात्मक मजबूती की पहली कसौटी माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि स्थानीय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन होता है तो इससे विधानसभा चुनावों के लिए सकारात्मक राजनीतिक माहौल तैयार होगा।